भाखड़ा विद्युत गृहों के नवीनीकरण, आधुनिकीकरण एवं उन्नयन द्वारा बी.बी.एम.बी. प्रगति की ओर अग्रसर

भाखड़ा विद्युत गृह बायां किनारा की सभी उत्पादक यूनिटों के मूल डिजाइन की क्षमता 90 मैगावाट है। बाद में इनका उन्नयन कर 108 मैगावाट किया गया है और अब इनका उन्नयन करके 108 मैगावाट से 126 मैगावाट किया जा रहा है। विद्युत गृह की वर्तमान उत्पादन क्षमता 540 मैगावाट (5x108 मैगावाट) है जिसे उन्नयन कर 630 मैगावाट (5x126 मैगावाट) किया जा रहा है । 5 यूनिटों के नवीकरण, आधुनिकीकरण और उन्नयन (आर.एम.यू.) का ठेका अनुमानित लागत रू 490 करोड में मैसर्ज सुमीटोमो जापान, मैसर्ज हिताची, जापान और मैसर्ज एंड्रिज, ऑस्ट्रिया को प्रदान किया गया है । इन पांच यूनिटों का आर.एम.यू. व्यवस्थित तरीके से किया जा रहा है । तीन यूनिटों का उन्नयन किया जा चुका है । शेष दो यूनिटों का उन्नयन का कार्य क्रमश: नवम्बर/दिसम्बर 2019 व अप्रैल/मई 2020 तक पूरा कर दिया जाएगा ।

उप-केन्द्र का स्वचालन

बीबीएमबी ने 220 के.वी उप-केन्द्र, बरनाला का स्वचालन अपने हाथों में ले लिया है। स्मार्ट उप केन्द्र स्वचालन समाधान के क्षेत्र में उप-केन्द्र, बरनाला का स्वचालन पहला कदम है।

पर्यवेक्षी नियंत्रण और डाटा अर्जन प्रणाली (SCADA)

बीबीएमबी भाखडा विद्युत गृह बांया किनारा की सभी उत्पादक यूनिटों के स्थानीय SCADA के विस्तार की प्रक्रिया एस.एल.डी.सी चण्डीगढ में की जा रही है । जिससे कि रिमोट कंट्रोल द्वारा निगरानी और उत्पादक यूनिटों के नियंत्रण के साथ साथ निम्नलिखित परिचालन भी किए जाएंगे:-

- बीबीएमबी एस.एल.डी.सी चण्डीगढ से उत्पादन यूनिटों के शुरू और बंद करने का क्रम रिमोट द्वारा किया जा सकता है जिसके परिणाम स्वरूप परिचालन की उचित निगरानी की जाएगी।
- उत्पादक यूनिटों के सभी मापदंड जो कि संबंधित विद्युत संयंत्रों में उपलब्ध हैं वह बीबीएमबी एसएलडीसी चण्डीगढ में भी उपलब्ध होंगे, जिसके परिणामस्वरूप प्रणाली की आवश्यकता अनुसार उत्पादक यूनिटों की निगरानी में बढ़ोतरी करेगी।

जलवायु परिवर्तन के प्रभाव

अपने जलाश्यों के अंतर्वाह पर वायु परिवर्तन के प्रभावों को समझने के लिए, कैचमैंट में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के अध्ययन एवं भविष्य के परिदृश्य का आंकलन करने के लिए बीबीएमबी ने जलवायु परिवर्तन सैल बनाया है। ।

भाखडा बांध हेतु परिमित तत्व विश्लेषण

भाखडा बांध का परिमित तत्व विश्लेषण केन्द्रीय जल आयोग, नई दिल्ली की मदद से किया जा रहा है। हाल ही में केन्द्रीय जल आयोग की टीम ने इसी उद्धेश्य से भाखडा बांध का निरीक्षण किया । नवीनतम सॉफटवेयर का प्रयोग करते हुए गणितीय (2डी और 3 डी) मॉडल तैयार किया जा रहा है । मॉडल का अपेक्षित परिणाम निम्न प्रकार होगा:-

- भाखडा बांध का विभिन्न स्थानों पर अधिकतम स्वीकार्य विक्षेपण और वर्तमान मूल्यों से उसकी तुलना।
- बांध की सतह से अधिकतम स्वीकार्य दबाव/व्यवस्थापन और इसकी वर्तमान मूल्यों से तुलना।
- बांध पर प्रभाव, यदि उपर तक भरा हो, भारी बाढ़ के पास होने की स्थिति में। (पी एम एफ)

बीबीएमबी स्कूल में वीडियो कॉन्फ्रेसिंग

बीबीएमबी अपने प्रशासनाधीन वरिष्ठ माध्यमिक विधालय नंगल, सुन्दरनगर और तलवाड़ा में वीडियो कॉन्फ्रेसिंग की सुविधा उपलब्ध करवाने जा रहा है। यह विद्यार्थियों को उपलब्ध नवीनतम शिक्षा की सुविधा के अवसर प्रदान करेगी ।

सौर उर्जा संयंत्र

बीबीएमबी दवारा नवीन और नवीनीकरण उर्जा मंत्रालय, भारत सरकार की पहल में योगदान देते हुए नवीनीकरणीय उर्जा के क्षेत्र में नंगल में रूफ टॉप सोलर पीवी संयंत्र, ग्रांउड मांउटेड सोलर पीवी संयंत्र और फलोटिंग सोलर पीवी संयंत्र अधिष्ठापित किए जा रहे हैं ।

पारेषण प्रणाली के क्षेत्र में आधुनिक चलन

बीबीएमबी ने क्रमश: अपने सभी पारम्परिक उप-केन्द्रों को दूरस्त प्रचालित उप-केन्द्रों में बदलने का कार्य शुरू कर दिया है । बीबीएमबी के हिसार, चरखी दादरी, बल्लबगढ तथा समयपुर में स्थित उप-केन्द्रों में दूरस्त नियंत्रण सहित उप-केंन्द्र स्वचालन प्रणाली उपलब्ध कराने का कार्य शुरू किया जा चुका है।

पौधारोपण

उच्च स्तर पर पौधारोपण करते हुए 5 से 6 लाख तक पौधे कैचमैंट क्षेत्र में लगाए जाएगें जिससे कि हमारे जलाशय गाद के अंतर्वाह से सुरक्षित रहें । यह पर्यावरण सुरक्षा और देश की ग्रीन बैल्ट की बढोतरी में भी मदद करेगा। बीबीएमबी इस मिशन के लिए बीजों को

खरीद रहा है और अपने पॉली हाऊस में पौधे तैयार कर रहा है। हम आवश्यकता अनुसार स्थानीय लोगों और महिला मण्डलों को भी पौधे दान करेंगे।

सूचना प्रौद्योगिकी (आई.टी.) में पहल

बीबीएमबी निकट भविष्य में उद्यम संसाधन योजना (ईआरपी) का क्रियान्वयन करके आईटी के माध्यम से समाधान करने जा रहा है ।